vinetur

कोलंबिया के व्यापारियों की चेतावनी : प्रस्तावित शराब कर से बीयर की कीमतें 60% तक बढ़ सकती हैं

Fedecom का कहना है कि 3,500 पेसो की बोतल की कीमत करीब 5,200 पेसो हो सकती है, अगर कांग्रेस उत्पादन-आधारित नया फॉर्मूला मंजूर करती है

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



गुरुवार, 12 नवंबर को कोलंबिया के व्यापारियों और दुकानदारों के महासंघ Fedecom ने चेतावनी दी कि सरकार के आर्थिक बचाव कानून में कर संबंधी प्रस्ताव से पड़ोस की दुकानों में बिकने वाली बीयर और अन्य बड़े पैमाने पर खपत होने वाले मादक पेयों के खुदरा दाम तेजी से बढ़ सकते हैं।

व्यापार संगठन ने कहा कि उसकी चिंता हाल ही में कांग्रेस में पेश किए गए उस विधेयक को लेकर है, जो मादक पेयों पर कर की गणना का तरीका बदल देगा। Fedecom के अनुमान के मुताबिक, प्रस्ताव से छोटी दुकानों में बिकने वाली बीयर की कुछ आम इकाइयों के अंतिम दाम बढ़ सकते हैं। यह बिक्री माध्यम तेज़ी से माल बेचने और कम मुनाफ़े पर निर्भर करता है।

Fedecom ने कहा कि बीयर की जिस बोतल की मौजूदा कीमत करीब 3,500 कोलंबियाई पेसो है, उसका दाम 49% से 60% तक बढ़कर लगभग 5,200 पेसो हो सकता है, अगर प्रस्तावित फॉर्मूला कानून बन जाता है। संगठन ने यह अनुमान विधेयक की अपनी व्याख्या और विधायी विश्लेषण के आधार पर लगाया है। उसने इन आंकड़ों को संभावित नतीजे के तौर पर पेश किया, न कि कीमतों में निश्चित बदलाव के रूप में, क्योंकि इस उपाय को अभी मंजूरी नहीं मिली है।

Fedecom के मुताबिक, मौजूदा व्यवस्था में निर्माता जिस कीमत पर खुदरा विक्रेता को उत्पाद बेचता है, उस पर एक निश्चित प्रतिशत के हिसाब से कर लगाया जाता है। प्रस्तावित मॉडल इस व्यवस्था की जगह उस चीज़ को लागू करेगा जिसे विधेयक उत्पादन कर कहता है। व्यवहार में, नए तरीके में दो अलग-अलग शुल्क जुड़ेंगे : करों से पहले के अंतिम खुदरा मूल्य पर 10% लेवी और 330 मिलीलीटर की मानक बोतल में अल्कोहल की प्रत्येक डिग्री पर 330 पेसो का निश्चित शुल्क।

Fedecom का तर्क है कि कर का आधार इस तरह बदलने से आपूर्ति श्रृंखला की शुरुआत से ही उत्पादकों पर राजकोषीय बोझ बढ़ेगा। संगठन ने कहा कि ये अतिरिक्त लागतें संभवत: ब्रुअरी और अन्य निर्माताओं से वितरकों, फिर मोहल्ले की दुकानों और अंतत: काउंटर पर ग्राहकों तक पहुंचेंगी। इसका असर छोटी खुदरा दुकानों से आगे भी पड़ सकता है, क्योंकि कोलंबिया के पेय व्यापार में बीयर सबसे तेज़ी से बिकने वाले उत्पादों में से एक है। इस पर कर लगाने के तरीके में कोई भी बदलाव ब्रूइंग, थोक बिक्री और पड़ोसों में वितरण के कारोबार में कीमतों, मुनाफ़े के मार्जिन और मांग को प्रभावित कर सकता है।

यह चेतावनी कोलंबिया की छोटी दुकानों के कारोबारी मॉडल को भी दर्शाती है। Fedecom के मुताबिक, ये दुकानें कम मुनाफ़े के मार्जिन पर चलती हैं और व्यापक रूप से खपत होने वाले उत्पादों की रोज़ाना स्थिर बिक्री पर निर्भर करती हैं। बीयर की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी से इन दुकानों पर दो तरह से दबाव पड़ सकता है : दोबारा माल भरने के लिए ज़रूरी कार्यशील पूंजी बढ़ेगी और ग्राहक खरीदारी घटाएं या सस्ते विकल्पों की ओर जाएं तो बिक्री कमज़ोर पड़ सकती है।

Fedecom की टिप्पणी ऐसे प्रस्ताव पर केंद्रित है जो अभी विधायी प्रक्रिया में है और कांग्रेस में बहस के दौरान इसका अंतिम पाठ बदल सकता है। फिर भी, संगठन के हस्तक्षेप से आर्थिक बचाव कानून के कर संबंधी प्रावधानों पर पड़ताल और तेज़ हुई है—खासकर बीयर जैसी श्रेणियों में, जहां दुकानों में कीमतों में मामूली बदलाव भी स्थानीय दुकानों और व्यापक पेय बाजार में खपत के तौर-तरीकों को तेजी से प्रभावित कर सकता है।